कार्यवृत्त

दूर शिक्षा निदेशालय द्वारा सत्र: 2020-21 से प्रस्तावित बी.ए. (सामान्य) पाठ्यक्रम की संरचना को अंतिम रूप प्रदान करने हेतु दिनांक: 23.06.2020 को माननीय प्रतिकुलपति प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल की अध्यक्षता में बैठक संपन्न हुई। उक्त बैठक में निम्नानुसार बी.ए. पाठ्यक्रम हेतु विषय समूह विवरण एवं पाठ्यक्रम संरचना निर्धारित की गई-

विषय समूह विवरण :

समूह-क आधार पाठ्यचर्या (अनिवार्य)	समूह-ख (भाषा समूह)	समूह-ग (सामाजिक विज्ञान समूह)	अनिवार्य/अतिरिक्त प्रश्नपत्र
हिंदी भाषा एवं साहित्य	मराठी संस्कृत उर्दू अंग्रेज़ी स्पैनिश जापानी	समाजशास्त्र राजनीति विज्ञान इतिहास जनसंचार	1. पर्यावरण 2. भारतीय संविधान एवं मानवाधिकार 3. भारतीय संस्कृति 4. भारतीय चिंतक
			1. कंप्यूटर दक्षता 2. हिंदी भाषा दक्षता

कला में स्नातक (बी.ए.) पाठ्यक्रम की पाठ्यचर्या संरचना:

प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	तृतीय वर्ष
अनिवार्य-1 पर्यावरण (4 क्रेडिट)	**अनिवार्य-2** भारतीय संविधान एवं मानवाधिकार (4 क्रेडिट)	**अनिवार्य-3** भारतीय संस्कृति (2 क्रेडिट)
अतिरिक्त अनिवार्य- 1 कंप्यूटर दक्षता (4 क्रेडिट)	**अतिरिक्त अनिवार्य-2** हिंदी भाषा दक्षता (4 क्रेडिट)	**अनिवार्य-4** भारतीय चिंतक (2 क्रेडिट)
समूह-क हिंदी (12 क्रेडिट)	**समूह-क हिंदी** (12 क्रेडिट)	**समूह-क हिंदी** (18 क्रेडिट)
समूह-ख/एवं ग (24 क्रेडिट)	**समूह-ख/एवं ग** (24 क्रेडिट)	**चयनित विषय** (18 क्रेडिट)
40 क्रेडिट	**40 क्रेडिट**	**40 क्रेडिट**

कुल: 120 क्रेडिट

महत्वपूर्ण बिंदु :

1. सभी विद्यार्थियों को **आधार पाठ्यचर्या** (हिंदी भाषा एवं साहित्य) का अध्ययन प्रथम 2 वर्षों में करना अनिवार्य होगा। तृतीय वर्ष में उन्हें चयनित तीन विषयों में किन्हीं दो का अध्ययन करना होगा।
2. विद्यार्थी **समूह-ख** एवं **समूह-ग** से एक-एक विषय का चयन कर सकते हैं। किसी भी स्थिति में **समूह-ख** से 2 विषय लेने की अनुमति नहीं होगी। यदि विद्यार्थी द्वारा **समूह-ख** से किसी भाषा का चयन नहीं किया जाता है तो, **समूह-ग** से किन्हीं दो विषय का चयन करना होगा।
3. **कंप्यूटर दक्षता** (4 क्रेडिट) **प्रथम वर्ष** में एवं **हिंदी भाषा दक्षता** (4 क्रेडिट) **द्वितीय वर्ष** में अतिरिक्त पाठ्यचर्या होगी। स्नातक स्तर पर उपाधि के लिए 50% अंकों के साथ इन्हें उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा, किंतु इनके क्रेडिट मुख्य परीक्षा परिणाम में सम्मिलित नहीं होंगे।
4. विद्यार्थी तीन वर्षों की अवधि में अतिरिक्त अनिवार्य पाठ्यचर्या को अलग-अलग वर्षों में अथवा एक ही साथ उत्तीर्ण कर सकते हैं।

(प्रो. के. के. सिंह)
प्रभारी, दूर शिक्षा

(प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल)
प्रतिकुलपति

पाठ्यक्रम

(Syllabus)

विषय :- समाजशास्त्र

बी. ए. के विद्यार्थियों हेतु

सत्र 2020-23

ज्ञान शांति मैत्री

दूर शिक्षा निदेशालय

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

पोस्ट - हिंदी विश्वविद्यालय, गाँधी हिल्स, वर्धा, महाराष्ट्र - 442001

www.hindivishwa.org

स्नातक समाजशास्त्र (बीएएस) पाठ्यक्रम
द्वितीय सेमेस्टर
समाजशास्त्र का परिचय

अधिकतम अंक- 100
आंतरिक मूल्यांकन -30
बाह्य मूल्यांकन – 70

क्रेडिट - 4

बीएएस 02 : समाजशास्त्र का परिचय

इकाई 01 : समाजशास्त्र

- अर्थ एवं परिभाषा
- प्रकृति
- क्षेत्र एवं विषय-वस्तु

इकाई 02: समाजशास्त्र का अन्य सामाजिक विज्ञानों से संबंध

- मानवविज्ञान
- मनोविज्ञान
- अर्थशास्त्र
- राजनीतिशास्त्र

इकाई 03: मूल अवधारणाएँ

- समाज
- समुदाय
- संस्था
- समिति एवं समूह

इकाई 04 : सामाजिक संस्थाएं

- परिवार
- विवाह
- नातेदारी

संस्तुत पुस्तकों की सूची:

Barnes, H. E. (1959). *Introduction to the history of sociology.* Chicago: The University of Chicago Press.

Fletcher, R. (1994). *The making of sociology (2 volumes).* Jaipur: Rawat Pbc.

गुप्ता, एल. एम. एवं शर्मा, डी. डी. (2005). *समाजशास्त्र.* आगरा: साहित्य भवन पब्लिकेशन

विद्याभूषण. एवं सचदेव, आर. डी. (2006). *समाजशास्त्र के सिद्धांत.* इलाहाबाद: किताब महल प्रकाशक.

पाण्डेय, एस.एस. (2010). *समाजशास्त्र.* नई दिल्ली: टाटा माईग्राहिल प्रकाशन.

स्नातक समाजशास्त्र (बीएएस) पाठ्यक्रम
चतुर्थ सेमेस्टर
भारतीय समाज के परंपरागत आधार

अधिकतम अंक- 100
आंतरिक मूल्यांकन -30
बाह्य मूल्यांकन – 70

क्रेडिट - 4

बीएएस 04 : भारतीय समाज के परंपरागत आधार

इकाई 01: परंपरागत आधार

- धर्म
- कर्म
- पुनर्जन्म

इकाई 02: वर्ण व्यवस्था

- वर्ण व्यवस्था का अर्थ एवं उत्पत्ति के सिद्धांत
- वर्ण धर्म, समान धर्म एवं आपधर्म
- वर्ण प्रकार्यों की अन्योन्याश्रितता एवं वर्ण असमानताएँ

इकाई 03: आश्रम व्यवस्था

- अर्थ विशेषताएँ एवं महत्त्व
- ब्रह्मचर्य एवं गृहस्थ
- वानप्रस्थ
- सन्यास

इकाई 04: पुरुषार्थ

- अर्थ, विशेषताएँ एवं महत्त्व
- धर्म एवं अर्थ
- काम एवं मोक्ष

<u>संस्तुत पुस्तकों की सूची:</u>

विद्याभूषण. एवं सचदेव, आर. डी. (2006). *समाजशास्त्र के सिद्धांत.* इलाहाबाद: किताब महल प्रकाशक.

पाण्डेय, एस.एस. (2010). *समाजशास्त्र.* नई दिल्ली: टाटा माईग्राहिल प्रकाशन.

अहूजा, राम. (1995). *भारतीय सामाजिक व्यवस्था.* जयपुर: रावत प्रकाशन.

स्नातक समाजशास्त्र (बीएएस) पाठ्यक्रम

षष्टम सेमेस्टर

शास्त्रीय सामाजिक चिंतक (II)

अधिकतम अंक- 100
आंतरिक मूल्यांकन -30
बाह्य मूल्यांकन – 70

क्रेडिट - 4

बीएएस 06: शास्त्रीय सामाजिक चिंतक (II)

इकाई 01 : कार्ल मार्क्स

- ऐतिहासिक भौतिकवाद
- उत्पादन प्रणाली
- वर्ग एवं वर्ग संघर्ष

इकाई 02 : परेटो

- तार्किक एवं अतार्किक क्रिया
- भ्रांत तर्क
- अभिजन परिभ्रमण

इकाई 03 : सोरोकिन

- सामाजिक परिवर्तन का सिद्धांत

इकाई 04 : थोर्स्टीन वेब्लेन

- संपन्न वर्ग का सिद्धांत
- सामाजिक परिवर्तन की अवधारणा

संतुत पुस्तकों की सूची :

Aron, R. (1967). *Main Currents in Sociological Thought*. London: Weidenfield and Nicholson.

Durkheim, E. (1958). *The Rules of Sociological Method*. Glencoe: Free Press.

Jones, R.A. (1986) *Emile Durkheim: An Introduction to Four Major Works*. London: Sage.

Calhoun, J. Craig. (2007). *Classical Sociological Theory. 2nd Edition*. Blackwell

दोषी, एल.एस. एवं जैन, सी.पी. (2013). *सामाजिक विचारक*. जयपुर: रावत प्रकाशन.

रावत, हरिकृष्ण. (2005). *समाजशास्त्रीय चिंतक*. जयपुर: रावत प्रकाशन.

पाण्डेय, एस.एस. (2010). *समाजशास्त्र*. नई दिल्ली: टाटा माईग्राहिल प्रकाशन.

पाठ्यक्रम

(Syllabus)

स्नातक (बी. ए.) इतिहास

(पाठ्यक्रम कोड- बीएएच)

सत्र : 2019-22

ज्ञान शांति मैत्री

दूर शिक्षा निदेशालय

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

पोस्ट - हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा, महाराष्ट्र - 442001

www.hindivishwa.org

स्नातक इतिहास (बीएएच) पाठ्यक्रम

प्रथम सेमेस्टर

अधिकतम अंक- 100
आंतरिक मूल्यांकन -25
बाह्य मूल्यांकन - 75

क्रेडिट - 4

द्वितीय प्रश्न-पत्र (बीएएच 02)

प्राचीन भारत का इतिहास (भाग - 2)

इकाई - 1

- भारत पर बाह्य आक्रमण - शक, हूण
- भारत पर बाह्य आक्रमण - कुषाण
- सुदूर दक्षिण का इतिहास - चोल
- सुदूर दक्षिण का इतिहास - पांड्य, चेर

इकाई - 2

- गुप्तकाल - राजनीतिक और आर्थिक जीवन
- गुप्तकाल - सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन
- समुद्रगुप्त
- चंद्रगुप्त द्वितीय (विक्रमादित्य)

इकाई - 3

- गुप्तोत्तर काल - राजनीतिक एवं आर्थिक जीवन
- गुप्तोत्तर काल - सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन
- हर्षवर्धन
- राजपूतों की उत्पत्ति एवं उत्थान

इकाई - 4

- संगम युग
- पल्लव वंश
- चालुक्य वंश
- दक्षिण पूर्व एिशया में भारतीय सांस्कृतिक विस्तार

पुस्तक सूची

1. प्राचीन भारत - राधाकुमुद मुखर्जी (राजकमल प्रकाशन)
2. अशोक - राधाकुमुद मुखर्जी (मोतीलाल बनारसी दास)
3. प्राचीन भारत सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक विकास की पड़ताल - द्विजेंद्र नारायण झा (ग्रंथ शिल्पी)
4. प्राचीन भारत - द्विजेंद्र नारायण झा (ग्रंथ शिल्पी)
5. प्राचीन भारत - डॉ. रमेशचंद्र मजूमदार (मोतीलाल बनारसी दास)

स्नातक इतिहास (बीएएच) पाठ्यक्रम
द्वितीय सेमेस्टर

अधिकतम अंक- 100
आंतरिक मूल्यांकन -25
बाह्य मूल्यांकन - 75

क्रेडिट - 4

प्रथम प्रश्न-पत्र (बीएएच 03)

मध्यकालीन भारत का इतिहास (भाग - 1)

इकाई - 1

- मध्यकालीन भारत के इतिहास के स्रोत - साहित्यिक एवं पुरातात्विक
- पाल वंश
- गुर्जर-प्रतिहार वंश
- राष्टकूट वंश

इकाई - 2

- चोल साम्राज्य (स्थानीय प्रशासन एवं सांस्कृतिक उपलब्धियाँ)
- काकातीय साम्राज्य
- विजयनगर साम्राज्य
- बहमनी साम्राज्य

इकाई - 3

- भारत पर अरबों का आक्रमण
- महमूद गजनवी का आक्रमण
- मुहम्मद गोरी का आक्रमण
- उत्तर भारत में दिल्ली सल्तनत की स्थापना

इकाई - 4

- गुलाम वंश - अल्तमश एवं बलबन
- अलाउद्दीन खलजी एवं उसका बाजार नियंत्रण नीति
- मुहम्मद - बिन - तुगलक एवं उसके प्रयोग
- फ़िरोज तुगलक - प्रशासन

पुस्तक सूची

1. भारतीय इतिहास में मध्यकाल - इरफान हबीब (ग्रंथ शिल्पी)
2. मध्यकालीन भारत का आर्थिक इतिहास - इरफान हबीब (राजकमल प्रकाशन)
3. मध्यकालीन भारत - नए आयाम - हरबंश मुखिया (राजकमल प्रकाशन)
4. दिल्ली सल्लनत का राजनीतिक सिद्धांत - मोहम्मद हबीब (ग्रंथ शिल्पी)
5. अकबर से औरंगजेब तक - डब्ल्यू. एच. मोरलैंड (ग्रंथ शिल्पी)
6. खलजीकालीन भारत - सैयद अतरह अब्बास रिजवी (राजकमल प्रकाशन)
7. तुगलककालीन भारत - सैयद अतरह अब्बास रिजवी (राजकमल प्रकाशन)

स्नातक इतिहास (बीएएच) पाठ्यक्रम

तृतीय सेमेस्टर

अधिकतम अंक- 100
आंतरिक मूल्यांकन -25
बाह्य मूल्यांकन - 75

क्रेडिट - 4

प्रथम प्रश्न-पत्र (बीएएच-05)

आधुनिक भारत का इतिहास (भाग - 1)

इकाई - 1

- उत्तरकालीन मुगल शासक
- देशी राज्यों का उदय - बंगाल, हैदराबाद
- देशी राज्यों का उदय - मैसूर, अवध
- आंग्ल – फ्रेंच संघर्ष

इकाई - 2

- पलासी की लड़ाई
- बक्सर का युद्ध
- ईस्ट इंडिया कंपनी का सुदृढ़ीकरण - द्वैध शासन प्रणाली
- ईस्ट इंडिया कंपनी का सुदृढ़ीकरण - रेगुलेटिंग एक्ट, पिट्स इंडिया एक्ट

इकाई - 3

- वारेन हैस्टिंग्स - प्रशासनिक सुधार
- लार्ड कार्नवालिस - प्रशासनिक सुधार
- स्थायी बंदोबस्त
- रैयतवारी एवं महालवारी बंदोबस्त

इकाई - 4

- लार्ड वेल्सली - सहायक संधि
- विलियम बैंटिक - शिक्षा नीति
- लार्ड हार्डिंग - पंजाब
- लार्ड डलहौजी - हड़प नीति

पुस्तक सूची

1. आधुनिक भारत - बिपन चंद्र (NCERT)
2. आज का भारत - रजनीपाम दत्त (ग्रंथ शिल्पी)

स्नातक इतिहास (बीएएच) पाठ्यक्रम

तृतीय सेमेस्टर

अधिकतम अंक- 100
आंतरिक मूल्यांकन -25
बाह्य मूल्यांकन - 75

क्रेडिट - ~~2~~ 4

<u>द्वितीय प्रश्न-पत्र (बीएएच-06)</u>

आधुनिक भारत का इतिहास (भाग - 2)

इकाई - 1

- 1857 के पूर्व नागरिक विद्रोह एवं आदिवासी विद्रोह
- 1857 की क्रांति - कारण
- 1857 की क्रांति - परिणाम
- 1857 की क्रांति - स्वरूप

इकाई - 2

- ब्रह्म समाज
- आर्य समाज
- रामकृष्ण मिशन
- वहाबी आंदोलन

इकाई - 3

- 1858 का एक्ट
- 1861 का इंडियन काउंसिल एक्ट
- लिटन - प्रशासनिक सुधार
- रिपन - इलबर्ट बिल

इकाई - 4

- भारत में राष्ट्रवाद का उदय
- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना
- लार्ड कर्जन का प्रशासनिक सुधार
- बंगाल विभाजन

पुस्तक सूची

1. आधुनिक भारत का इतिहास - बी. एल. ग्रोवर और यशपाल - एस. चन्द एण्ड कम्पनी (प्राइवेट लि. नई दिल्ली)
2. आधुनिक भारत - दीनानाथ वर्मा - ज्ञानदा प्रकाशन, पटना

बी. ए. (ऑनर्स) पत्रकारिता एवं जनसंचार (प्रथम सेमेस्टर)

संचार सिद्धांत एवं जनमाध्यमों का विकास (4 क्रेडिट)

इकाई-1 संचार की अवधारणा एवं सिद्धांत

1. संचार का अर्थ एवं परिभाषा
2. संचार का महत्व, तत्व एवं संचार के 7 सी एवं संचार के प्रकार
3. अरस्तू का संचार प्रतिरूप एवं लासवेल का संचार प्रतिरूप
4. शैनन एवं वीवर का संचार प्रतिरूप
5. विल्बर श्राम का संचार प्रतिरूप

इकाई-2 प्रिंट मीडिया का विकास

1. भारत में पत्रकारिता का उद्भव एवं विकास
2. भारत में प्रथम समाचार (-हिंदी व अन्य भारतीय भाषाओं के अंग्रेजी पत्र एवं पत्रिकाएं)
3. स्वतंत्रता पूर्व भारत की पत्रकारिता
4. स्वतंत्रता आन्दोलन और पत्रकारिता
5. पत्रकारिता की वर्तमान स्थिति

इकाई-3 रेडियो का विकास एवं रेडियो माध्यम

1. भारत में रेडियो का उद्भव एवं विकास
2. स्वतंत्रता आन्दोलन में रेडियो की भूमिका
3. एफ एम रेडियो
4. कम्यूनिटी रेडियो
5. इंटरनेट रेडियो

इकाई-4 टेलीविजन का विकास

1. भारत में टेलीविजन का आगमन और विकास
2. टेलीविजन धारावाहिकों का इतिहास
3. निजी टेलीविजन चैनलों का आगमन एवं विकास
4. प्रमुख टेलीविजन चैनल
5. टेलीविजन और सामाजिक परिवर्तन

Ramesh
04/03/2020

बी. ए. (ऑनर्स) पत्रकारिता एवं जनसंचार (द्वितीय सेमेस्टर)
प्रिंट मीडिया : प्रमुख समाचारपत्र एवं रिपोर्टिंग (4 क्रेडिट)

इकाई 1 प्रमुख राष्ट्रीय समाचारपत्र

1. दैनिक जागरण
2. हिन्दुस्तान समाचारपत्र
3. दैनिक भास्कर
4. राजस्थान पत्रिका
5. अमर उजाला

इकाई-2 रिपोर्टिंग एवं समाचार लेखन

1. समाचार: अवधारणा, तत्व एवं प्रकार, स्रोत एवं संकलन
2. प्रिंट मीडिया रिपोर्टिंग तत्व एवं प्रकार
3. रिपोर्टिंग के प्रमुख सिद्धांत
4. संवाददाता के प्रमुख गुण एवं कार्य
5. संवाददाता के दायित्व एवं सीमाएं

इकाई-3 मीडिया लेखन के विविध आयाम एवं रिपोर्टिंग क्षेत्र

1. संपादकीय लेखन
2. अग्रलेख लेखन
3. लेखन के विविध क्षेत्र: साक्षात्कार लेखन, स्तम्भ लेखन, फीचर लेखन एवं समीक्षा लेखन
4. रिपोर्टिंग के विविध क्षेत्र: संसदीय रिपोर्टिंग, अपराध रिपोर्टिंग, खेल एवं फिल्म रिपोर्टिंग
5. विकासपरक एवं आर्थिक रिपोर्टिंग

इकाई-4 संपादन सिद्धांत एवं तकनीक

1. संपादन की अवधारणा एवं विभिन्न स्वरूप
2. संपादन के प्रमुख सिद्धांत, तत्व एवं प्रकार
3. संपादन की तकनीकी शब्दावली
4. समाचार पत्र के विविध पृष्ठों का संपादन
5. संपादन की सावधानियां एवं चुनौतियां

04/03/2020

बी.ए. (ऑनर्स) पत्रकारिता एवं जनसंचार (तृतीय सेमेस्टर)

महात्मा गांधी की पत्रकारिता (4 क्रेडिट)

इकाई-1 महात्मा गांधी का परिचय

1. महात्मा गांधी का जीवन परिचय
2. गांधी जी के मुख्य विचार
3. सेवाग्राम में निवास
4. महात्मा गांधी: संपादक के रूप में
5. गांधी जी के प्रमुख आंदोलन

इकाई-2 गांधी जी द्वारा संपादित पत्र/पत्रिकाएं

1. इंडियन ओपिनियन
2. यंग इंडिया
3. नवजीवन
4. हरिजन
5. समाचार पत्रों का समाज पर प्रभाव

इकाई-3 महात्मा गांधी की पत्रकारिता

1. पत्रकार के रूप में महात्मा गांधी
2. स्वतंत्रता संग्राम और महात्मा गांधी की पत्रकारिता
3. महात्मा गांधी के पत्रकारीय उद्देश्य
4. महात्मा गांधी की पत्रकारिता की विशिष्टताएं
5. महात्मा गांधी की पत्रकारिता का समाज पर प्रभाव

इकाई-4 महात्मा गांधी की पुस्तकें

1. सत्य के प्रयोग
2. हिन्द स्वराज
3. ग्राम स्वराज
4. आरोग्य की कुंजी
5. पुस्तकों का समाज पर प्रभाव

Darush
04/03/2020

बी. ए. (ऑनर्स) पत्रकारिता एवं जनसंचार (पंचम सेमेस्टर)

संचार शोध एवं मीडिया नियमन (4 क्रेडिट)

इकाई-1 शोध की अवधारणा

1. शोध का अर्थ एवं परिभाषा
2. मीडिया शोध का अभिप्राय एवं प्रकार
3. मीडिया शोध का क्षेत्र
4. शोध के चरण
5. डाटा के प्रकार (प्राथमिक डाटा एवं द्वितीय डाटा)

इकाई-2 शोध प्रविधि एवं आकड़ा संकलन विधि

1. अंतर्वस्तु विश्लेषण, अवलोकन, सर्वेक्षण एवं साक्षात्कार
2. प्रश्नावली, अनुसूची
3. शोध प्रतिवेदन लेखन विधि
4. आंकड़ा विश्लेषण
5. संदर्भ लेखन

इकाई-3 प्रेस स्वतंत्रता की अवधारणा एवं प्रेस आयोग

1. प्रेस की स्वतंत्रता की अवधारणा एवं संवैधानिक स्थिति
2. आपातकाल और प्रेस स्वतंत्रता पर नियंत्रण
3. प्रेस आयोग (प्रथम एवं द्वितीय)
4. संसदीय विशेषाधिकार
5. प्रेस परिषद के दिशा-निर्देश

इकाई-4 अधिनियम परिचय

1. प्रसार भारती अधिनियम एवं सूचना प्रौद्योगिकीय अधिनियम
2. मानहानि कानून एवं न्यायलय की अवमानना अधिनियम 1971
3. सूचना का अधिकार अधिनियम 2005
4. कॉपीराइट अधिनियम 1957
5. प्रेस परिषद अधिनियम 1978

04/03/2020

बी. ए. (ऑनर्स) पत्रकारिता एवं जनसंचार (षष्ठम सेमेस्टर)
रेडियो, टीवी एवं न्यू मीडिया तकनीक (4 क्रेडिट)

इकाई-1 रेडियो कार्यक्रम निर्माण एवं तकनीक

1. रेडियो कार्यक्रम प्रसारण : भाषा-शैली, उच्चारण एवं स्पष्टता
2. रेडियो समाचार बुलेटिन की संरचना
3. रेडियो कार्यक्रम विधाएं : वार्ता, परिचर्चा, साक्षात्कार, फोन इन एवं फीचर
4. विशेष श्रोता समूह कार्यक्रम
5. रेडियो तकनीक : माइक्रोफोन के प्रकार एवं रिकार्डिंग

इकाई -2 प्रमुख राष्ट्रीय मीडिया संस्थान

1. दूरदर्शन
2. आजतक
3. एनडीटीवी समूह
4. जी टीवी समूह
5. सीएनवीसी आवाज

इकाई-3 टेलीविजन कार्यक्रम निर्माण एवं रिपोर्टिंग तकनीक

1. टेलीविजन समाचार संरचना
2. टेलीविजन कार्यक्रम विधाएं : समाचार कार्यक्रम, टॉक शो, चैट शो एवं पैनल चर्चा
3. टेलीविजन रिपोर्टर की भूमिका एवं जिम्मेदारियां
4. पीस टू कैमरा, बोक्स पॉप, सीधा/सजीव प्रसारण एवं टेली प्रोंप्टर का उपयोग
5. रन डाउन: आवश्यकता एवं महत्व

इकाई- 4 न्यू मीडिया के विविध आयाम

1. इंटरनेट का परिचय
2. सोशल मीडिया की अवधारणा
3. सोशल मीडिया साक्षरता की आवश्यकता एवं महत्व
4. वेब पत्रकारिता एवं ब्लॉग लेखन
5. वेब संस्करण : समाचारपत्र-पत्रिकाएं, रेडियो व न्यूज चैनल

04/03/2020

बी. ए. (ऑनर्स) पत्रकारिता एवं जनसंचार (चतुर्थ सेमेस्टर)
जनसम्पर्क, कॉर्पोरेट संचार एवं विज्ञापन (4 क्रेडिट)

इकाई-1 जनसंपर्क : अवधारणा व स्वरूप

1. जनसंपर्क : अवधारण
2. जनसंपर्क : उद्भव एवं विकास
3. जनसंपर्क : उद्देश्य महत्व एवं क्षेत्र
4. जनसंपर्क के उपकरण
5. संस्थागत जनसंपर्क : सरकारी, सार्वजनिक एवं निजी

इकाई-2 जनसंपर्क के संगठनात्मक व्यावसायिक महत्व

1. जनसंपर्क : व्यावसायिक संगठन
2. जनसंपर्क : बजट एवं मूल्यांकन
3. जनसंपर्क : प्रशिक्षण एवं अनुसंधान
4. जनसंपर्क अधिकारी के कार्य, दायित्व एवं चुनौतियां
5. आपदा प्रबंधन और जनसंपर्क

इकाई-3 कॉर्पोरेट संचार के विविध आयाम एवं क्षेत्र

1. कार्पोरेट संचार की अवधारणा
2. कॉर्पोरेट संचार रणनीति (नियमित रणनीति, आपदा के समय रणनीति, संशोधित रणनीति)
3. कॉर्पोरेट पहचान: छवि निर्माण
4. कॉर्पोरेट संचार संबंध: मीडिया, प्रशासनिक एवं कर्मचारी
5. कॉर्पोरेट संचार संबंध: निवेशक एवं विपणन

इकाई-4 अवधारणा, विज्ञापन निर्माण एवं विज्ञापन माध्यम

1. विज्ञापन: अवधारणा
2. विज्ञापन निर्माण की प्रक्रिया एवं भाषा
3. विज्ञापन अभियान
4. विज्ञापन बजट
5. विज्ञापन माध्यम: बाह्य, समाचार-पत्र, रेडियो, टेलिविजन एवं ऑनलाइन विज्ञापन

04/03/2020

पाठ्यक्रम

(Syllabus)

विषय :- राजनीति विज्ञान

बी. ए. के विद्यार्थियों हेतु

सत्र 2019-22

ज्ञान शांति मैत्री

दूर शिक्षा निदेशालय

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

पोस्ट - हिंदी विश्वविद्यालय, गाँधी हिल्स, वर्धा, महाराष्ट्र - 442001

www.hindivishwa.org

स्नातक राजनीति विज्ञान (बीएपीएस) पाठ्यक्रम

प्रथम सेमेस्टर

राजनीति विज्ञान के सिद्धान्त

अधिकतम अंक- 100
आन्तरिक मूल्यांकन -25
बाह्य मूल्यांकन – 75 क्रेडिट - 4

इकाई – 1

- राजनीति विज्ञान का अर्थ एवं परिभाषा
- राजनीति विज्ञान की प्रकृति एवं क्षेत्र (भारतीय एवं पाश्चात्य दृष्टि)
- राजनीति विज्ञान की अध्ययन पद्धतियाँ (भारतीय एवं पाश्चात्य दृष्टि)

इकाई – 2

- राज्य का अर्थ, परिभाषा एवं राज्य के तत्व, (भारतीय एवं पाश्चात्य दृष्टि)
- राज्य की उत्पत्ति के सिद्धान्त : दैवीय, शक्ति, सामाजिक संमझौता, एवं विकासवादी सिद्धांत (भारतीय एवं पाश्चात्य दृष्टि)

इकाई – 3

- राज्य के कार्य के सिद्धान्त : उदारवादी एवं मार्क्सवादी
- लोक कल्याणकारी राज्य : योगक्षेम की अवधारणा
- सम्प्रभुता : एकलवादी एवं बहुलवादी

इकाई – 4

- विधि/कानून
- अधिकार
- स्वतंत्रता और समानता

अनुशंसित पुस्तकें –

1. राजनीतिक सिद्धांत, ए.डी. अर्शीवादम, एस.चाँद एण्ड कंपनी, नई दिल्ली।
2. राजनीतिक सिद्धांत की रूपरेखा, ओम प्रकाश गावा, मयूर पेपर बैक्स, नोएडा।
3. राजनीतिक सिद्धांत, गांधीजी राय, लोक भारती प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. राजनीतिक सिद्धांत एक परिचय, राजीव भार्गव, अशोक आचार्य, पीयरसन, दिल्ली।
5. राजनीतिक सिद्धांत, ज्ञान सिंह संधु, हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय।
6. आधुनिक राजनीतिक सिद्धांत, डॉ. हरिश्चंद्र शर्मा, डिस्कवरी प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. वेदों में राजनीतिशास्त्र, डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वभारती अनुसंधान परिषद ज्ञानपुर, भदोही।
8. राजनीतिक विज्ञान के मूल आधार, डॉ. मधुमुंकुल चतुर्वदी, राज पब्लिकेशन, जयपुर।
9. राजनीतिक सिद्धांत, डॉ. लोकेश अग्रवाल, डिस्कवरी प्रकाशन, नई दिल्ली।
10. राजनीतिक सिद्धांत, बी. आर. पुरोहित, राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।

स्नातक राजनीति विज्ञान (बीएपीएस) पाठ्यक्रम

द्वितीय सेमेस्टर

सरकार का संगठन

अधिकतम अंक- 100
आन्तरिक मूल्यांकन -25
बाह्य मूल्यांकन – 75 क्रेडिट -4

इकाई – 1

- सरकार के अंग
- व्यवस्थापिका
- कार्यपालिका
- न्यायपालिका

ईकाई – 2

- शासन के प्रकार
- राजतंत्र, अल्पतंत्र, लोकतंत्र, अधिनायक तंत्र
- एकात्मक और संघात्मक शासन
- संसदीय और अध्यक्षीय शासन

इकाई – 3

- शक्तिपृथक्करण का सिद्धांत
- निर्वाचन प्रितनिधित्व प्रणाली : साधारण बहुमत प्रणाली, अनुपातिक प्रतिनिधित्व मत प्रणाली

इकाई – 4

- राजनीतिक दल
- दवाव समूह
- जनमत/लोकमत

अनुशंसित पुस्तकें –

1. राजनीति विज्ञान के सिद्धांत - बी. आर. पुरोहित, राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।
2. सरकार - पुखराज जैन, साहित्य भवन, आगरा।
3. राजनीति विज्ञान के सिद्धांत – इकबाल नारायण, ग्रंथ विकास अकादमी, नई दिल्ली।
4. तुलनात्मक शासन एवं राजनीति (समकालीन प्रवृत्तियाँ)- आशा गुप्ता, हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, नई दिल्ली।
5. तुलनात्मक शासन एवं राजनीति – गांधीजी राय, भारती भवन, पटना।
6. तुलनात्मक सरकारे – ए. पी. त्यागी, आर. के. रस्तोगी, संजीव प्रकाशन, मेरठ।
7. तुलनात्मक राजनीति एवं राजनीतिक विश्लेषण- डॉ. डी. एस. यादव, रजत प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. तुलनात्मक राजनीति- जे. सी. जौहरी, स्टर्लिंग प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. तुलनात्मक राजनीति रूपरेखा – ओम प्रकाश गाबा, मयुर पेपर वैक्स, नोएडा।
10. तुलनात्मक राजनीति- एस. आर. माहेश्वरी, लक्ष्मी नारायण अग्रवाल, नई दिल्ली।

स्नातक राजनीति विज्ञान (बीएपीएस) पाठ्यक्रम

तृतीय सेमेस्टर

भारतीय संविधान

अधिकतम अंक- 100
आन्तरिक मूल्यांकन -25
बाह्य मूल्यांकन – 75 क्रेडिट - 4

इकाई प्रथम

- भारतीय संविधान की प्रमुख विशेषताएँ
- भारतीय संविधान की दार्शनिक पृष्ठभूमि (प्रस्तावना)

इकाई द्वितीय

- मौलिक अधिकार एवं कर्तव्य
- राज्य के नीति-निदेशक सिद्धान्त
- संघीय कार्यपालिका – राष्ट्रपति, प्रधानमन्त्री एवं मंत्रिमण्डल

इकाई तृतीय

- संघीय व्यवस्थापिका (संसद)
- राष्ट्रपति, लोकसभा एवं राज्यसभा
- सर्वोच्च न्यायालय

इकाई चतुर्थ

- राज्य विधान मण्डल : विधान सभा एवं विधान परिषद
- राज्य कार्यपालिका : राज्यपाल, मुख्यमंत्री एवं राज्य मन्त्रिपरिषद
- उच्च न्यायालय

अनुशंसित पुस्तकें –

1. भारतीय शासन एवं राजनीति - महेन्द्र प्रसाद सिंह, हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय।
2. भारतीय राजनीति, प्रणाली संरचना नीति और विकास - महेन्द्र प्रसाद सिंह, हिमांशु राय, हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय।
3. भारत में राजनीतिक प्रक्रिया - बी.एन.चौधरी, युवराज कुमार, हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय।
4. भारतीय राजनीतिक व्यवस्था - एस.एम.सईद, सुलभ प्रकाशन, लखनऊ।
5. भारत का संविधान परिचय - दुर्गा दास बासु, लेक्सिस नेक्सिस, नागपुर।
6. भारत का संविधान - जय नारायण पाण्डेय, सेंट्रल एजेन्सी, इलाहाबाद।
7. भारत का संविधान - ब्रज किशोर शर्मा, पी.एच.आई.लर्निंग प्रा.लि. नई दिल्ली।
8. भारतीय शासन एवं राजनीति - रूपा मंगलानी, राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।
9. भारतीय सरकार एवं राजनीति - आर.पी.जोशी, राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।
10. संसदीय प्रक्रिया - सुभाष कश्यप, राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।

स्नातक राजनीति विज्ञान (बीएपीएस) पाठ्यक्रम
चतुर्थ सेमेस्टर
भारतीय राजनीतिक चिन्तन

अधिकतम अंक- 100
आन्तरिक मूल्यांकन -25
बाह्य मूल्यांकन – 75 क्रेडिट - 4

प्रथम प्रश्न-पत्र (बीएपीएस-05)

इकाई 1

- मनु के राजनीतिक विचार
- कौटिल्य के राजनीतिक विचार
- राजा मोहन राय के राजनीतिक विचार
- गोपाल कृष्ण गोखले के राजनीतिक विचार

इकाई 2

- बाल गंगाधर तिलक के राजनीतिक विचार
- स्वामी दयानन्द सरस्वती के राजनीतिक विचार
- स्वामी विवेकानंद के राजनीतिक विचार
- श्री अरविन्द घोष के राजनीतिक विचार

इकाई 3

- आचार्य नरेन्द्र देव के राजनीतिक विचार
- जयप्रकाश नारायण के राजनीतिक विचार
- राम मनोहर लोहिया के राजनीतिक विचार
- महात्मा गांधी के राजनीतिक विचार

इकाई 4

- अरविंद घोष के राजनीतिक विचार
- जवाहर लाल नेहरू के राजनीतिक विचार
- डॉ. भीमराव अम्बेडकर के राजनीतिक विचार
- पं. दीन दयाल उपाध्याय के राजनीतिक विचार

अनुशंसित पुस्तकें –

1. प्राचीन भारतीय राजनीतिक चिंतन – एस.सी. सिंघल, लक्ष्मीनारायण अग्रवाल, आगरा।
2. प्राचीन भारतीय राजनीतिक विचार एवं संस्थाएँ – परमात्माशरण, मीनाक्षी प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. आधुनिक भारतीय राजनीतिक चिंतक – डॉ. बी. आर. पुरोहित, राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।
4. आधुनिक भारतीय राजनीतिक चिंतक – डॉ. वी. पी. वर्मा, लक्ष्मीनारायण अग्रवाल, आगरा।
5. भारतीय राजनीतिक विचारक – डॉ. ए. पी. अवस्थी, लक्ष्मीनारायण अग्रवाल, आगरा।
6. भारतीय राजनीतिक चिंतन संकल्पनाएँ एवं विचारक, अजय कुमार / इस्लाम अली, पियरसन, नई दिल्ली।
7. भारतीय राजनीतिक चिंतन प्रमुख अवधारणाएँ एवं चिंतक – रुचि त्यागी, हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय।
8. भारतीय राजनीतिक चिंतन संकल्पनाए एवं विचारक - संपादक: अजय कुमार, पियरसन, दिल्ली।
9. भारतीय राजनीतिक चिंतन - प्रो. के.एल. कमल, राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।
10. आधुनिक भारतीय राजनीतिक चिंतन - विद्युत चक्रवर्ती राजेन्द्र कुमार पाण्डेय, सेज प्रकाशन, नई दिल्ली।

स्नातक राजनीति विज्ञान (बीएपीएस) पाठ्यक्रम

पंचम सेमेस्टर

पाश्चात्य राजनीतिक चिन्तन

अधिकतम अंक- 100
आन्तरिक मूल्यांकन -25
बाह्य मूल्यांकन – 75

क्रेडिट -4

द्वितीय प्रश्न-पत्र (बीएपीएस-06)

इकाई 1

- प्लेटो के राजनीतिक विचार
- अरस्तू के राजनीतिक विचार
- मध्ययुगीन राजनीतिक चिन्तन : प्रमुख विशेषताएँ
- मैकियावेली के राजनीतिक विचार

इकाई 2

- टॉमस हॉब्स के राजनीतिक विचार
- जॉन लॉक के राजनीतिक विचार
- जीन जैक्स रूसो के राजनीतिक विचार
- बेन्थम के राजनीतिक विचार

इकाई 3

- जे.एस.मिल. के राजनीतिक विचार
- हीगेल के राजनीतिक विचार
- टी.एच.ग्रीन के राजनीतिक विचार
- कार्ल मार्क्स के राजनीतिक विचार

इकाई 4

- माओ-त्से-तुंग के राजनीतिक विचार
- जॉन रॉल्स के राजनीतिक विचार
- रॉबर्ट नाजिक के राजनीतिक विचार
- हन्ना आरेन्ट के राजनीतिक विचार

अनुशंसित पुस्तकें –

1. प्रमुख राजनीतिक चिंतक - ब्रज किशोर झा, Vol-I, II, बिहार हिंदी ग्रंथ अकादमी, पटना।
2. पाश्चात्य राजनीतिक विचारक - ओम प्रकाश गाबा, मयूर पेपर बैक्स, नोएडा।
3. प्रमुख पाश्चात्य राजनीतिक विचारक - प्रो. के.एल.कमल, राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।
4. पाश्चात्य राजनीतिक चिंतन - प्रभुदत्त शर्मा, कालेज बुक डिपो, दिल्ली।
5. राजनीतिक दर्शन का स्वाध्याय - सी.एल.वेपर, किताब महल, इलाहाबाद।
6. प्रमुख राजनीतिक विचारक - नागपाल नखाडे, अमृत नखाडे, किताब महल, दिल्ली।
7. राजनीतिक विचारक विश्वकोश - ओम प्रकाश गाबा, मयुर पेपर बैक्स, नोएडा।
8. पाश्चात्य राजनीतिक विचारक - सुर्भतो मुखर्जी, हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय।
9. राजनीतिक चिंतन का विकास - वी.आर.पुरोहित, राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।
10. यूनानी राजनीति सिद्धांत – सर अर्नेस्ट वार्कर, हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय

छष्टम् सेमेस्टर

अंतरराष्ट्रीय संबंध (द्वितीय विश्वयुद्ध से वर्तमान तक)

अधिकतम अंक- 100
आन्तरिक मूल्यांकन -25
बाह्य मूल्यांकन – 75

क्रेडिट - 4

इकाई प्रथम

- अंतरराष्ट्रीय राजनीति का अर्थ, प्रकृति एवं क्षेत्र
- अंतरराष्ट्रीय राजनीति में विचारधारा की भूमिका
- अंतरराष्ट्रीय राजनीति में शक्ति की अवधारणा

इकाई द्वितीय

- द्वितीय विश्वयुद्धोत्तर अंतरराष्ट्रीय प्रवृत्तिया
- संयुक्त राष्ट्र
- राष्ट्रीय सुरक्षा की बदलती हुई अवधारणा।

इकाई तृतीय

- शीत युद्ध की उत्पत्ति, विकास एवं तनाव शैथिल्य
- तनाव शैथिल्य तथा इसका विश्व राजनीति पर प्रभाव
- तृतीय विश्व एवं गुट निरपेक्ष आंदोलन

इकाई चतुर्थ

- साम्यवादी गुट का विघटन एवं शीतयुद्ध की समाप्ति
- एक ध्रुवीय विश्व की संकल्पना
- नई विश्व व्यवस्था एवं बहुध्रुवीय विश्व की संकल्पना

अनुशंसित पुस्तकें –

1. अंतरराष्ट्रीय संबंधों के सिद्धांत-अजय कुमार, पीयरसन, नई दिल्ली।
2. अंतरराष्ट्रीय राजनीति के सिद्धांत-महेन्द्र कुमार, शिवलाल अग्रवाल एंड कंपनी,आगरा।
3. अंतरराष्ट्रीय संबंध –वी. एन. खन्ना, विकास पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली ।
4. अंतरराष्ट्रीय राजनीति (सिद्धांत एवं व्यवहार)- वी. एल फाडिया, साहित्य भवन पब्लिकेशन्स, आगरा।
5. अंतरराष्ट्रीय राजनीति, यू. आर. घई, न्यू एकेडमिक पब्लिशिंग हाऊस, जालंधर।
6. अंतरराष्ट्रीय संबंध- एस. पाल. यूनिवर्सिटी पब्लिकेशन, नई दिल्ली।
7. अंतरराष्ट्रीय राजनीति- बी. एल. प्रसाद, यूनिवर्सिटी पब्लिकेशन, नई दिल्ली।
8. अंतरराष्ट्रीय संबंध- पुष्पेप पंत, टी. एम. एच., नई दिल्ली।